आज का पुरुषार्थ by Suraj Bhai

Date: 30 January, 2022 **Website**: www.shivbabas.org

धारणा - *आज अभ्यास करे अपने अंदर संकल्प शक्ति और साईलेन्स पावर को बढ़ाने की*

आज तीस जनवरी है। हमारे तपस्या का भिन्न भिन्न स्वरुप है। दिनचर्या भी हमारी एक तपस्या है।

तो बुद्धि को स्थिर करना भी हमारी एक तपस्या है। अर्थात व्यर्थ संकल्पों से मुक्त होना भी हमारी एक तपस्या है। और योगयुक्त रहना तो सबसे बड़ी तपस्या है।

बाबा की इस यज्ञ में सम्पूर्ण योगदान देना, जीवन को स्वाहा कर देना, ईश्वरीय आज्ञाओं पर चलना यह भी हमारी एक सुन्दर तपस्या है।

हम श्रेष्ठ तपस्वी है। त्याग से ही तपस्या सफल होती है। त्याग का बल तो हमारे पास है ही। बाबा इस धरा पर आये, और हमने त्याग के बीज वो लिए।

सबसे पहले तो त्याग कराया मनोविकारों का। त्याग कराया देहभान का। त्याग कराया सांसारिक इच्छा और तृष्णाओं का। त्याग करा दिया संसार से कुछ पाने की इच्छाओं का।

तो बाबा ने हमें महान तपस्वी बना दिया है। आज हम ध्यान दे, हमें तपस्या करनी है। कि हमारा एक एक संकल्प विश्वकल्याण अर्थ हो। हमारा एक एक संकल्प संसार को कुछ देने वाला हो।

हमारा एक एक संकल्प विघ्नों को नष्ट करनेवाला हो। अनेक आत्माओं को बल देने वाला हो। ऐसा हो जो भगवान को प्रिय हो, जो उसको अर्पित की जा सके।

यू तो हम अपनी बुराईयां उसपर अर्पित करते है, लेकिन हम महान आत्मायें, विश्वकल्याणकारी आत्मायें अपने श्रेष्ठ संकल्प भी उसपर अर्पित करते है। एक एक संकल्प के वायब्रेशन्स इस संसार में फैलते है।

हमें ऐसे संकल्प करने है जो संसार में प्योरीटी की लहर फैले। क्योंकि हम सभी पूर्वज आत्मायें है। हमारा प्रभाव सभी धर्मों की आत्माओं तक जाती है। हमें यह जागरूकता बहुत अच्छी तरह रहना चाहिए कि ...

" हम अकेले नहीं है .. साधारण नहीं है .. हम बहुत बहुत रेस्पॉनसिवल आत्मायें है.. हमारे कर्म भी संसार के लिए अनुकरणीय है .. संसार जन्म जन्म हमारे कर्मों को ही फालो करते है "

" हमारे बोल भी संसार को बहुत कुछ सिखाने वाले है .. उन्हें प्रेरणा देने वाले है .. समस्याओं से मुक्त करने वाले है "

तो हम अपने पूर्वज स्वरुप की स्मृति में रहकर बाबा के इस महान कार्य में योगदान करते रहे। और अपने मन को सम्पूर्ण रूप से व्यर्थ संकल्पों से मुक्त करते चले।

सभी ने पूरा मास डीप साइलेन्स का अवश्य अनुभव किया होगा। हमारी यह डीप साइलेन्स हमारी बहुत बड़ी शक्ति है। इसे ही साईलेन्स पावर कहा जाता है।

इन शक्तियों को हम बढ़ाते चले। जितना जितना मन शान्त होगा और श्रेष्ठ संकल्पों में रमण करता होगा उतना ही यह महान शक्ति जमा होती जायेगी। और यही शक्ति आगे चलकर हमें बहुत काम आयेगी।

विशेष रूप से विनाशकाल में उन आत्माओं को बहुत सरलता से सबकुछ प्राप्त होगा। जिन्होंने यह साईलेन्स पावर स्वयं में भरी होगी।

और वह ऐसा समय होगा जब हमें केवल अपने लिए सबकुछ नहीं करना होगा। बल्कि हमारा जीवन दुसरों की सुरक्षा करने में, उनके दुःख हरने में, उनके विघ्नों को नष्ट करने के लिए होगा।

तो हम स्वयं को साईलेन्स पावर से भरपूर करते चले। तो आज सारा दिन हम अपने मन को डीप साईलेन्स की स्थिति में रखेंगे।

पहला संकल्प करे ..

" मैं आत्मा शान्त स्वरुप हूँ .. शान्ति तो मेरा श्रृंगार है .. मैं पीस हाउस हूँ "

चित्त को शान्त करेंगे कि ....

" मेरा सभी संकल्प शान्त "

एक डीप साईलेन्स की अनुभूति के लिए ...

" मैं अलग और इस देह अलग "

बारम्बार इसका अभ्यास करेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org